

SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)



कोविड-19 वैक्सीन : एक सुरक्षित भारत की पहल

आशीष कांत चौधरी, (Ph. D.), वाणिज्य विभाग,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, भारत
मोनिषा, शोधार्थी,
मानविकी और सामाजिक विज्ञान इंजीनियरिंग संस्थान,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तरप्रदेश, भारत

ORIGINAL ARTICLE



Corresponding Authors

आशीष कांत चौधरी, (Ph. D.), वाणिज्य विभाग,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी, उत्तरप्रदेश, भारत
मोनिषा, शोधार्थी,
मानविकी और सामाजिक विज्ञान इंजीनियरिंग संस्थान,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,
जौनपुर, उत्तरप्रदेश, भारत
shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 27/07/2021

Revised on : ----

Accepted on : 03/08/2021

Plagiarism : 00% on 27/07/2021



Plagiarism Checker X Originality Report

Similarity Found: 0%

Date: Tuesday, July 27, 2021

Statistics: 0 words Plagiarized / 2578 Total words

Remarks: No Plagiarism Detected - Your Document is Healthy.

*kks/k llj vkr eghus iwo7 te Hkkjr esa dksfoM&19 ls la0fer ejhts dh vkSfr nSfrud lajk
esa fjkvV gksuh "kq: gqbZ rks fo"ks'kkksa ck ekuuk Fkk fd Hkkjr esa dksfoM&19 dh
nwjrh yqj ugha frjkkbZ raxhA tcfid dksfoM dh nwjrh yqj us :gk; dh LokLF; laca/kh
vk/kkjHkwr lajpuk dh lHkh dfe:ksa dks mtloj dj frnk gSA bls vykok Hkkjr esa
dksfoM&19 la0e.k

शोध सार

आठ महीने पूर्व जब भारत में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की औसत दैनिक संख्या में गिरावट होनी शुरू हुई तो विशेषज्ञों का मानना था कि भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर नहीं दिखाई देगी। जबकि कोविड की दूसरी लहर ने यहाँ की स्वास्थ्य संबंधी आधारभूत संरचना की सभी कमियों को उजागर कर दिया है।

इसके अलावा भारत में कोविड-19 संक्रमण के विस्तार को रोकना कठिन हो रहा है क्योंकि यहाँ पुनः लॉकडाउन लगाना देश को आर्थिक रूप से संवेदनशील स्थिति में पहुँचा सकता है। लोगों में कोविड के प्रति डर सार्वजनिक दबाव एवं इस संक्रमण की भयावहता को देखते हुए केंद्र सरकार ने 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को टीकाकरण के लिए पंजीकृत कराने हेतु अधिकृत किया है। साथ ही राज्यों को खरीद पर अधिक नियंत्रण करने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश की है।

भारत की योजना महत्वाकांक्षी है लेकिन 130 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में ऐसा होना भी चाहिए और इसकी सफलता के लिए बहुत कुछ ऐसा हो रहा है। भारत विश्व में वैक्सीन का सबसे बड़ा उत्पादक है, पोलियो उन्मूलन में इसका महत्वपूर्ण अनुभव है और इने मीज़ल्स रूबेला और नियमित टीकाकरण अभियानों पर व्यापक कार्य किया है। भारत के पास अपने ऊँचे लक्ष्यों को प्राप्त करने लिए अनुभव क्षमता और साख है। यूनिसेफ भारत के टीकाकरण कार्यक्रमों और स्वास्थ्य देखभाल में 70 वर्षों से अधिक समय से गौरवशाली सहयोगी के रूप में सहयोग करता रहा है।

July to September 2021 www.shodhsamagam.com

A Double-blind, Peer-reviewed, Quarterly, Multidisciplinary and Multilingual Research Journal

Impact Factor
SJIF (2021): 5.948

1896

मुख्य शब्द

कोविड, टीकाकरण, स्वास्थ्य, संक्रमित मरीज.

प्रस्तावना

विगत कुछ हफ्ते भारत में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या के हिसाब से राहत भरे रहे हैं। जहाँ सितम्बर 2020 में रोगियों की संख्या 90000–150000 प्रतिदिन से ऊपर बनी हुई थी, वहीं वर्तमान में यह 10000 प्रतिदिन के आंकड़े के अंदर सिमट गई है। ऐसे में एक नए विमर्श को बल मिला है कि क्या कोरोना महामारी अपने स्वाभाविक अंत की ओर बढ़ रही है? क्या अभी भी हमें वैक्सीन की आवश्यकता है?

विभिन्न वायरोलॉजिस्ट के अनुसार, समय के साथ किसी भी वायरस की मारकता में कमी आती है। अतः यह स्वाभाविक ही है कि कोविड-19 संबंधी कर्व फ्लैट होता दिख रहा है। फाइजर कंपनी के पूर्व वाइस प्रेसीडेंट एवं चीफ साइंटिस्ट डॉ. माइकल यीडन भी वैक्सीन की सार्थकता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए इसके प्रति उत्तेजना को पागलपन करार देते हैं। उनके अनुसार, यह बीमारी प्राकृतिक रूप से ही नियंत्रण में आ जाएगी। वहीं वैक्सीन के विरोध में उठने वाली कुछ आवाजें इस मात्र फार्मास्यूटिकल कंपनियों को फायदा पहुँचाने के कदम के रूप में भी देखने की पक्षधर हैं। ऊपरी तौर पर ये दावे सही लग सकते हैं, परन्तु दूर की सोचें, तो वैक्सीन ही बेहतर उपाय नजर आती है। वैक्सीन न केवल वैक्सीन प्राप्तकर्ता को कोविड से बचाती है, अपितु उसे संभावित रोगवाहक बनने से रोककर उसके प्रियजनों एवं संपर्क में आने वाले की भी सुरक्षा करती है।

वैक्सीन को निरर्थक बताते हुए जिस सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष से मुँह मोड़ लिया जाता है, वह यह है कि इस महामारी की दूसरी लहर अभी भी आ सकती है। हमारे समक्ष इतिहास में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। यदि करोड़ों जाने लेने वाली वर्ष 1918 की स्पेनिश फ्लू महामारी की ही बात करें, तो इसकी द्वितीय लहर कहीं अधिक विनाशकारी सिद्ध हुई थी। समय के साथ वर्तमान वायरस की मारकता में हो सकता है कमी हुई हो, परन्तु इसके म्यूटेशन की क्षमता इसे अधिक संक्रामक एवं जानलेवा बना देती है। ब्रिटेन आदि देश हाल ही में इसी प्रकार के नये म्यूटेटेड वायरस की दूसरी लहर से त्राहि-त्राहि कर उठे हैं। भारत में भी इस नए स्ट्रेन ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। हमारा समाज एवं अर्थव्यवस्था पहले लॉकडाउन के आघातों से ही अभी तक संभल नहीं पाए हैं, अतः ऐसी कोई भी दूसरी लहर इसके अस्तित्व के समक्ष संकट उत्पन्न कर देगी। इसलिए ऐसे किसी भी संभावित खतरे को निर्मूल करने हेतु वैक्सीन न सिर्फ आज की जरूरत है, अपितु मानवता के सुरक्षित भविष्य हेतु भी अपरिहार्य है। कोरोना महामारी ने हमारे सामाजिक व्यवहार को बदलने के साथ ही सामाजिक व्यवस्था हेतु भी नए प्रतिमान गढ़े हैं। कोविड-19 वैक्सीन न सिर्फ समाज में आत्मविश्वास जगाकर उसे भयमुक्त करेगी, अपितु कोरोना से होने वाली मृत्यु एवं संक्रमण प्रसूत मानसिक संताप की स्याह परछाई से समाज की रक्षा भी करेगी। यद्यपि कोविड वैक्सीन के वितरण एवं उपलब्धता के संबंध में सामाजिक न्याय एवं सामाजिक विभाजन जैसी शंकाएं भी हैं। ये संभव है कि वैक्सीन के प्रति पहुँच हेतु साधन संपन्न वर्गों को वरीयता प्राप्त हो जाये भले ही यह वरीयता रिश्वत, कालाबाजारी जैसी अनुचित क्रियाओं की उपलब्धता के परिप्रेक्ष्य में वंचित वर्गों को भी समान अधिकार मिलना चाहिए।

इस संदर्भ में सामाजिक विभाजन को गहराने का एक कारण स्वयं वैक्सीन में भी निहित है। कोविड वैक्सीन भंडारण हेतु रेफ्रिजरेशन की आवश्यकता होती है, किन्तु न केवल भारत में अपितु अफ्रीका महाद्वीप एवं विश्व में भी अनेक ग्रामीण व पिछड़े इलाके हैं, जहाँ न तो विद्युत व्यवस्था है और न ही अन्य स्वास्थ्य अवसंरचना संबंधी ढाँचे। अतः इन क्षेत्रों की गरीब जनता तो ऐसी सुविधाओं के अभाव में वैक्सीन प्राप्त करने से वंचित ही रह जायेगी, जो सामाजिक न्याय व विश्व को कोविड मुक्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के प्रति गहरा आघात होगा। अतः विश्व को थर्मोस्टेबल कोविड-19 वैक्सीन के विकास पर भी अधिक ध्यान देना चाहिए।

कोविड वैक्सीन के पर्यावरणीय निहितार्थ

कोविड-19 वैक्सीन का व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम कई पर्यावरणीय चिंताओं को भी जन्म देता है। इसके

इतने बड़े पैमाने हैं पर परिवहन एवं वितरण से विश्व में कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त टीकाकरण हेतु प्रयुक्त सीरिजों एवं सुइयों से भी बड़ी मात्रा में मेडिकल अपशिष्ट निकलेगा, जिसका निस्तारण बड़ा पर्यावरणीय प्रश्न होगा।

कोविड-19 वैक्सीन के संग्रहण हेतु रेफ्रिजरेटर आदि प्रशीतक उपकरणों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे वातावरण में क्लोरोफ्लोरोकार्बन जैसे ओजोन क्षयकारी पदार्थों की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। यह मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल आदि वैश्विक पर्यावरणीय प्रयासों की सार्थकता पर भी विपरीत प्रभाव डाल सकता है।

कोविड वैक्सीन में एडजुवंट के रूप में प्रयोग होने वाला स्क्वालीन यौगिक-शार्क मछली के लीवर से प्राप्त होता है। ऐसे में बड़े पैमाने पर कोविड-19 वैक्सीन के निर्माण से लगभग आधा मिलियन से भी अधिक शार्क मछलियों की जान जा सकती है, जो पहले से ही आपदाग्रस्त इस प्रजाति के अस्तित्व हेतु संकट उत्पन्न होगा।

भारत और कोविड-19 वैक्सीन

भारत में दो कोविड-19 वैक्सीनों को अनुमति प्रदान की गई है। इनमें से भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को तृतीय चरण में परीक्षण पूर्ण होने से पहले ही ओपेन लेबल टेस्ट के रूप में अनुमति देने पर प्रश्नचिन्ह भी लगे हैं। जिनके प्रत्युत्तर में संबंधित अधिकरणों द्वारा वैज्ञानिक कारण बताए गए हैं। दरअसल कोवैक्सीन एंटीजन के रूप में पूर्ण SARS-CoV-2 वायरस का प्रयोग करती है, जो कि कोविशील्ड की तुलना में म्यूटेटेड कोरोना वायरस के विरुद्ध संक्रमण से सुरक्षा हेतु भी अधिक कारगर सिद्ध होगा। अतः इसे म्यूशन जनित दूसरी लहर जैसी संभावित आपात की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही प्रतिबंधित आपात उपयोग हेतु मंजूरी दी गई है।

राज्य और संघ राज्य कुल मामले 24 जून 2021 तक

SN	Name of State/UT	Active Cases*		Cured/Discharged /Migrated*		Deaths**	
		Total	Change since yesterday	Cumulative	Change since yesterday	Cumulative	Change since yesterday
01.	Andaman and Nicobar Islands	103	6	7195	4	127	
02.	Andhra Pradesh	53880	4260	1791056	8376	12416	53
03.	Arunachal Pradesh	2548	9	30956	279	160	1
04.	Assam	32975	350	450924	2482	4280	37
05.	Bihar	2811	206	707833	468	9563	6
06.	Chandigarh	278	33	60383	56	806	
07.	Chhattisgarh	8007	557	970244	1032	13402	7
08.	Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu	61	1	10455	3	4	
09.	Delhi	1918	78	1405927	467	24933	8
10.	Goa	2920	146	159029	438	3008	11
11.	Gujarat	5159	480	807424	612	10037	3
12.	Haryana	2200	137	756231	263	9295	20
13.	Himachal Pradesh	2276	132	195062	315	3453	5
14.	Jammu and Kashmir	7181	578	301134	999	4269	7
15.	Jharkhand	1417	72	338256	180	5102	2
16.	Karnataka	118615	4541	2662250	8111	34164	139
17.	Kerala	100881	746	2716284	11730	12295	141
18.	Ladakh	360	5	19309	38	202	
19.	Lakshadweep	315	4	9142	36	47	1
20.	Madhya Pradesh	1707	273	778902	318	8806	20

21.	Maharashtra	126468	1055	5742258	9043	118795	482
22.	Manipur	9214	84	54714	649	1065	10
23.	Meghalaya	4273	77	40915	341	788	3
24.	Mizoram	4424	197	13900	233	85	
25.	Nagaland	1757	87	22204	149	477	2
26.	Odisha	30859	1240	848960	4159	3671	38
27.	Puducherry	3214	150	110423	433	1727	1
28.	Punjab	5968	509	571207	880	15888	34
29.	Rajasthan	2388	303	940101	437	8904	3
30.	Sikkim	2430	18	16732	152	296	3
31.	Tamil Nadu	56886	4443	2348353	11144	31580	194
32.	Telangana	16640	606	595348	1771	3586	10
33.	Tripura	3747	163	58735	554	658	4
34.	Uttarakhand	2896	68	329030	231	7052	8
35.	Uttar Pradesh	3910	253	1678486	397	22282	58
36.	West Bengal	22508	232	1445493	2037	17437	47
	Total#	643194	19327	28994855	68817	390660	1358

(Sources: Different GOI website)

Cumulative Coverage Report of COVID-19 Vaccination

(As on 24 Jun 2021 at 7:00 AM)

	Beneficiaries vaccinated		
	1st Dose	2nd Dose	Total Doses
India	24,82,24,925	5,34,01,103	30,16,26,028
	(58,52,150 in last 24 Hours)	(6,37,449 in last 24 Hours)	(64,89,599 in last 24 Hours)

S.No.	State/UT	Beneficiaries vaccinated		
		1st Dose	2nd Dose	Total Doses
01.	A & N Islands	1,28,612	15,591	1,44,203
02.	Andhra Pradesh	1,13,15,609	27,58,924	1,40,74,533
03.	Arunachal Pradesh	4,36,924	80,118	5,17,042
04.	Assam	52,27,301	11,20,548	63,47,849
05.	Bihar	1,28,33,933	21,12,759	1,49,46,692
06.	Chandigarh	3,96,356	77,947	4,74,303
07.	Chhattisgarh*	66,61,351	12,69,668	79,31,019
08.	Dadra & Nagar Haveli	1,46,038	12,397	1,58,435
09.	Daman & Diu	1,58,425	15,074	1,73,499
10.	Delhi	51,72,626	16,25,636	67,98,262
11.	Goa	7,01,414	1,02,993	8,04,407
12.	Gujarat	1,84,45,685	50,32,349	2,34,78,034
13.	Haryana	68,44,825	12,18,543	80,63,368
14.	Himachal Pradesh	27,43,734	4,40,232	31,83,966
15.	Jammu & Kashmir	34,99,026	6,15,567	41,14,593
16.	Jharkhand	51,57,969	9,63,126	61,21,095
17.	Karnataka	1,71,00,083	33,77,106	2,04,77,189
18.	Kerala	1,00,98,458	27,15,927	1,28,14,385
19.	Ladakh	1,66,158	37,551	2,03,709

20.	Lakshadweep	45,549	7,241	52,790
21.	Madhya Pradesh	1,57,33,116	21,98,101	1,79,31,217
22.	Maharashtra	2,36,20,724	56,71,918	2,92,92,642
23.	Manipur	5,10,146	72,480	5,82,626
24.	Meghalaya	5,54,153	75,549	6,29,702
25.	Mizoram	4,43,241	53,016	4,96,257
26.	Nagaland	3,76,898	53,710	4,30,608
27.	Odisha	88,61,348	18,90,915	1,07,52,263
28.	Puducherry	3,94,557	59,158	4,53,715
29.	Punjab*	56,73,948	8,90,491	65,64,439
30.	Rajasthan	1,88,82,422	35,88,779	2,24,71,201
31.	Sikkim	3,37,086	60,026	3,97,112
32.	Tamil Nadu	1,12,57,029	23,34,154	1,35,91,183
33.	Telangana	82,09,687	14,15,734	96,25,421
34.	Tripura	17,87,332	5,56,560	23,43,892
35.	Uttar Pradesh	2,38,77,037	41,40,430	2,80,17,467
36.	Uttarakhand	31,75,155	7,45,556	39,20,711
37.	West Bengal	1,55,17,555	44,83,433	2,00,00,988
38.	Miscellaneous	17,33,415	15,11,796	32,45,211

(Sources: Different GOI website)

भारत में तैयारी

- भारत ने विश्व में सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जिसमें प्रतिवर्ष 39 करोड़ मुफ्त टीके लगाने के साथ ही टीका लगवाने वालों के निरीक्षण एवं देखभाल की 34 वर्ष पुरानी प्रणाली भी शामिल है।
- भारत द्वारा सबसे पहले लगभग 300 मिलियन फ्रंटलाइन वर्कर्स एवं सुभेद्य वर्गों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस हेतु 2 जनवरी को राष्ट्रव्यापी ड्राई रन तथा 16 जनवरी से टीकाकरण प्रारंभ किया गया। 1 मार्च, 2021 से इस भागीरथी अभियान की द्वितीय चरण की शुरुआत की गई, जिसमें 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को भी शामिल किया गया।
- भारत द्वारा वैक्सीन को सुरक्षित रखने हेतु 27000 कोल्डचेन प्वाइंट्स, 45000 रेफ्रिजरेटर, 41000 डीप फ्रीजर एवं 300 सौर फ्रिजों की उपलब्धता है।
- भारत के पास टीकाकरण हेतु अभ्यस्त 208000 एएनएम, 1.2 मिलियन एडब्ल्यूडब्ल्यू तथा 857000 आशा कार्यकर्त्री हैं, जो इस भागीरथी कार्य की सफलता हेतु महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।
- वैक्सीन के संरक्षण एवं परिवहन हेतु दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रोजेक्ट संजीवनी का कार्यान्वयन किया जा रहा है।
- भारत द्वारा इस महाअभियान की निगरानी, नियंत्रण एवं समन्वय हेतु कोविन ऐप विकसित किया गया है, जो कि कोरोना टीकाकरण का प्रबंधन करेगा।

चुनौतियाँ

- भारत में कोल्डचेन नेटवर्क जैसे बुनियादी ढाँचे सीमित हैं जिनकी भंडारण क्षमता इतनी अधिक नहीं है। इसके अतिरिक्त इन कोल्डचेन प्वाइंट्स के वितरण में व्यापक क्षेत्रीय विषमता भी दिखती है। उदाहरणार्थ : जहाँ गुजरात में प्रति 1 लाख आबादी पर 4 कोल्डचेन प्वाइंट्स हैं, वहीं झारखंड में इतनी जनसंख्या हेतु केवल एक कोल्डचेन प्वाइंट है।

- भारत का विशाल आकार एवं भौगोलिक विषमताएं भी वैक्सीन के प्रभावी वितरण में बाधक सिद्ध होगी।
- इस संदर्भ में वैक्सीन के प्रति जनता में पूर्वाग्रह, वैक्सीन की सफलता में कठिनाई उत्पन्न करेगा। यदि बिना टीकाकृत क्लस्टर छूटे रहेंगे, तो उनसे यह संक्रमण कभी भी फैलने का खतरा बना रहेगा।
- सोशल मीडिया में जारी अफवाहें एवं आधी-अधूरी जानकारी भी वैक्सीन हेसिटेंसी को बढ़ावा देगी।
- भारत में अभी तक यह निश्चित नहीं है कि वैक्सीन की लागत का वहन कौन करेगा? यदि सरकार प्रथम चरण के 300 मिलियन लक्षित उम्मीदवारों की वैक्सीन का खर्च वहन करती है, तो वह भी लगभग 1.8 बिलियन डॉलर होगा। ऐसे में जब अर्थव्यवस्था एवं सरकार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं, तो इस भार को वहन करना अधिक कठिन होगा।
- ध्यान देने योग्य है कि इन वैक्सीन को मांसपेशियों में लगाया जाना है, जिस हेतु बड़ी संख्या में कुशल डॉक्टरों का प्रबंधन भी बड़ी चुनौती है।
- हाल ही में कोविड-19 के गिरते हुए मामलों में जनता में एक पदम आत्मविश्वास का संचार किया है कि उन्हें वैक्सीन की जरूरत नहीं है। एक सर्वे के अनुसार, 69 प्रतिशत भारतीयों ने वैक्सीन लेने में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी से विरक्ति दिखाई है। ऐसे में उन्हें वैक्सीन लेने हेतु प्रेरित करना भी चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।
- वैक्सीन की कालाबाजारी रोकना एवं उत्पादनकर्ताओं से आवश्यक सप्लाइ सुनिश्चित करना भी प्रमुख चुनौती रहेगी।
- वर्ष 2018 में विश्व स्वास्थ्य संगठन व यूनिसेफ द्वारा प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन संबंधी विश्लेषण में भारत को 89 देशों की सूची में 51-75 परसेंटाइल दिया गया है, जो कि इस संबंध में वैश्विक मानको से काफी नीचे है। इससे भारत के वैक्सीन प्रबंधन की कुशलता पर तो प्रश्नचिह्न लगता ही है साथ ही वैक्सीन के अपव्यय के खतरे की संभावना को भी बल मिलता है।

उपाय

- भारत द्वारा थर्मोस्टेबल वैक्सीन के विकास पर बल दिया जाना चाहिए, जिससे कोल्डचेन नेटवर्क आदि अवसंरचनात्मक अवरोधों से निपटा जा सके।
- हाल ही में भारत बायोटेक द्वारा प्रस्तावित नासिका वैक्सीन। इस इस संदर्भ में गेमचेंजर सिद्ध हो सकती है। न सिर्फ इसे लगाना आसान होगा बल्कि यह लोगों को सीरिज की तुलना में अधिक आकर्षित करेगी। अतः ऐसी वैक्सीनों के विकास हेतु हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।
- सरकार द्वारा वैक्सीन उपलब्ध कराने हेतु हाईब्रिड मॉडल अपनाया जाना चाहिए। जहाँ आर्थिक रूप से कमजोर अधिकांश जनता हेतु सरकार द्वारा वैक्सीन मुफ्त उपलब्ध कराई जानी चाहिए, वहीं साधन संपन्न वर्ग के लिए प्राइवेट मार्केट को भी अनुमति देनी चाहिए।
- वैक्सीन हेसिटेंसी को खत्म करने के लिए अफवाहों एवं आधी-अधूरी जानकारी के प्रति जनता को जागरूक करना चाहिए।
- भारत सरकार द्वारा वैक्सीन आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना चाहिए। कोल्डचेन इत्यादि क्रांतिक अधोसंरचना के विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए एवं इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलीजेंस नेटवर्क को सशक्त करते हुए वैक्सीन भंडारण एवं सुरक्षा में सुधार करना चाहिए।
- वैक्सीन के प्रति शंका हटाने हेतु समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का टीकाकरण एवं उसका सार्वजनिक प्रसारण जनता में विश्वासोत्पादन हेतु सहायक सिद्ध हो सकता है। उल्लेखनीय है कि 1 मार्च, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोवैक्सीन टीका लगवाकर इसी दिशा में सार्थक पहल की गई है।

उपसंहार

भारत की स्वदेशी "कोवैक्सीन" ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की विश्वपटल पर धाक जमाई है।

उल्लेखनीय है कि जहाँ फाइजर एवं मॉडर्ना जैसी कंपनियों के वैक्सीन जनित साइड इफेक्ट्स एवं म्यूटेंट वायरसों के प्रति उनकी संदेहपूर्ण प्रभावशीलता विमर्श का हिस्सा है, वहीं भारत की कोवैक्सीन के ऐसे नकारात्मक प्रभाव नहीं दिखे हैं, जो भारतीय तकनीक की श्रेष्ठता का प्रतीक है।

भारत की वैक्सीन निर्माण क्षमता ने इसे वैश्विक वैक्सीन डिप्लोमेसी के केन्द्र में ला खड़ा किया है। भारत ने इस संबंध में नेतृत्वकर्ता की भूमिका का निर्वहन करते हुए "वैक्सीन मैत्री" अभियान के तहत बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव, श्रीलंका, बहरीन एवं ब्राजील आदि देशों को सहायता प्रदान की है। वैक्सीन डिप्लोमेसी ने भारत को अपने पड़ोस में चीनी ड्रैगन के बढ़ते कदमों को रोकने का उपकरण भी प्रदान किया है, जिसका कुशल उपयोग राष्ट्रहित में आवश्यक होगा।

किसी भी महामारी को खत्म करने में हर्ड इम्यूनिटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोरोना-19 वैक्सीन इस प्रक्रिया को गति देते हुए प्रभावी प्रतिरोधकता हासिल करने में सहायक सिद्ध होगी, जो न सिर्फ देश की गिरती अर्थव्यवस्था को संबल देगा, अपितु वर्ष 2024 तक भारत द्वारा 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

आगे की राह

मल्टीमीडिया अभियान की सहायता से जागरूकता: यदि पुनः लॉकडाउन से बचना है तो मल्टीमीडिया अभियान की सहायता से आम जनता को बड़े पैमाने पर कोविड-19 से जुड़ी सूचनाएं देने, शिक्षित करने एवं मास्क का उपयोग करने के लिए जागरूक करना होगा जैसे कि पोलियो एवं एचआईवी के बारे में सूचना देने के लिए किया जाता रहा है।

घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना: घरेलू स्तर पर टीकों के निर्माण से जुड़े मुद्दे, जैसे वित्त की समस्या प्रोजेक्ट को त्वरित सहमति इत्यादि को समझकर उसका तीव्र गति से निराकरण सरकार की प्राथमिकता सूची में होनी चाहिये।

आगे जैसे-जैसे आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी वैसे-वैसे कार्यान्वयन के निर्णयों को बेहतर बनाने तथा दक्षता हासिल करने के लिए टीकाकरण की व्यवस्था को विकेंद्रीकृत किया जाना चाहिये एवं कम से कम पाँच महीने का स्टॉक रखकर ही निर्यात किया जाना चाहिये। इसे अलावा टीको का अपव्यव को कम करने की आवश्यकता है।

टीका आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना: इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क ईवीआईएन प्रणाली को मजबूत बनाने से देश के सभी कोल्ड चेन पॉइंट्स पर वैक्सीन स्टॉक एवं स्टोरेज तापमान की जानकारी वास्तविक समय में मिलेगी।

निष्कर्ष

भारत का कोविड-19 वैक्सीन अभियान एक ऐतिहासिक अभियान है। इसमें न केवल भारत का अपनी आबादी का टीकाकरण शामिल है बल्कि, विश्व के बड़े टीका उत्पादकों में से एक होना भी शामिल है। टीकों के विकास और वितरण से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कम से कम समय में बड़ी आबादी तक कुशलतापूर्वक टीकों की पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिये।

संदर्भ सूची

1. <https://www.orfonline.org/hindi/>
2. <https://hindimedia.in/indias-kovid-19-vaccine-nationalism-symbolism-and-realism/>
3. <https://www.bbc.com/hindi/india-56730718>

4. www.prabhasakshi.com > national > 132364-new-cases
5. www.punjabkesari.in > national > news
6. ndtv.in > india-news > india-coronavirus-who-says
7. www.myupchar.com > disease > covid-19
8. bh.wikipedia.org > wiki
9. Agrawal, M.; Kanitkar, Madhuri; Vidyasagar, M. (2021). "SUTRA: An Approach to Modelling Pandemics with Asymptomatic Patients, and Applications to COVID-19".
10. 'Apr 10, Amit Bhattacharya / TNN /; 2021; Ist, 01:42. "Covid-19: Active cases cross 1 million, at all-time high now | India News - Times of India". The Times of India (अंग्रजी में), अभिगमन तिथि 2021-04-12.
11. "Kumbh Mela turns into 'super spreader' event; 1,701 people test COVID-19 positive between April 10-14". Times Now News. 15 April 2021. अभिगमन तिथि 25 April 2021.
12. Kamal, Hassan (22 April 2021). "Kumbh Mela and election rallies: How two super spreader events have contributed to India's massive second wave of COVID-19 cases". Firstpost. अभिगमन तिथि 25 April 2021.
13. "Despite a billion vaccine shots given, Covid-19 runs rampant in much of the world". The New York Times. अभिगमन तिथि 28 April 2021.
14. "India's 'double mutation' covid virus variant is worrying the world". mint. अभिगमन तिथि 28 April 2021.
15. "First policy shift in 16 yrs: India open to foreign aid, ok to buying from China".
16. "COVID-19: India begins accepting foreign aid for the first time in 16 years".
17. "Watch: Russia's Sputnik V, 3rd Vaccine For India, Arrives In Hyderabad".
